जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

प्रेस विज्ञप्ति

०४ जनवरी २०२१

भारत के माननीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' द्वारा चार जनवरी २०२० को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और अटल बिहारी वाजपेयी प्रबंधन एवं उद्यमिता संस्थान के अकादमिक भवन के निर्माण की आधारशिला रखी गई। यह निर्माण भारत सरकार द्वारा शिक्षण संस्थानों को प्रदान किये जाने वाले हेफा फंड के माध्यम से हो रहा है। कार्यक्रम में माननीय शिक्षा मंत्री का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एम् जगदीश कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपकुलपति प्रो. चिन्तामणि महापात्र, उपकुलपति प्रो. सतीश चन्द्र गरकोटी, उपकुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह, तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रमोद कुमार उपस्थित रहे। इस अवसर पर मैनेजमेंट संस्थान का परिचय संस्थान के डीन प्रो. उन्नत पंडित तथा प्रौद्योगिकी संस्थान का परिचय संस्थान के डीन प्रो. सत्यव्रत पटनायक द्वारा दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन रजिस्ट्रार डॉ. प्रमोद कुमार द्वारा किया गया। कोविद-१९ से जुड़ी सावधानियों का ध्यान रखते हुए कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से किया गया। कार्यक्रम का प्रसारण विश्वविद्यालय के आधिकारिक फेसबुक पेज पर किया गया।

इस अवसर पर माननीय शिक्षा मंत्री ने विश्वविद्यालय को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि इन दोनों संस्थानों के लिए बनने जा रहे इस भवन से जेएनयू को बहुत लाभ मिलेगा। इंजिनियरिंग और मैनेजमेंट की शिक्षा एक दूसरे की पूरक बनेगी, यह विचार अच्छा है। इससे युवावर्ग को उद्यमी और स्वावलम्बी बनने की प्रेरणा और प्रशिक्षण दोनों ही मिलेंगे। यहाँ से प्रशिक्षित छात्र भविष्य में राष्ट्र एवं समाज की बुनियादी आवश्कयताओं को पूर्ण करने की दिशा में कार्य करेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एम् जगदीश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ने हेफा फंड के अंतर्गत बड़ी राशि जुटाई है। इस राशि के सदुपयोग से जेएनयू का भविष्य और भी सुदृढ़ और प्रभावी होगा साथ ही यहाँ आकर पढ़ने वाले छात्रों, शोधार्थियों, अध्यापकों को उपयुक्त सुविधाएं प्राप्त होंगीं। विगत पांच वर्षों में जेएनयू में अनेक नए अकादमिक संस्थानों को प्रारम्भ किया गया है जिनसे देश की युवा पीढ़ी को विशेष लाभ मिलेगा। प्रस्तावित भवन विश्वस्तरीय उच्च-गुणवत्ता वाली सुविधाओं से सम्पन्न होंगे जिनसे प्रौद्योगिकी-आधारित शिक्षाशास्त्र तथा शिक्षार्थियों का विकास होगा।

राणा प्रताप। सिंह

(प्रो. राणा प्रताप सिंह)

उपकुलपति